शिक्षक - रवि शंकर राय, विषय - अर्थशास्त्र
दिनांक - 14-10-2020, वर्ग - BA-III

प्रश्न :- गृह-युद्ध के पश्चात अमेरिका में विनिर्माण उद्योगों के द्रुत विकास के कारण क्या थे?
What were the reasons of rapid growth of manufacturing industries in America after civil war?

Ans :- गृह-युद्ध से पूर्व अमेरिका का अधिकांश औद्योगिक उत्पादन गृह-उद्योगों से प्राप्त होता था। यद्यपि अमेरिका के द्वितीय स्वतंत्रता संग्राम (1812-14) के पश्चात कारखाना-प्रणाली आरंभ हो चुकी थी, किन्तु इसकी गति अत्यन्त धीमी बनी रही। गृह युद्ध के समय उत्पन्न माँग के कारण कारखाना-प्रणाली का तीव्र गति से विकास आरंभ हुआ। गृह युद्ध के पश्चात अमेरिका में औद्योगिक क्रांति की शुरुआत हुई। प्रथम महायुद्ध तक अमेरिका संसार का प्रमुख औद्योगिक एवं सम्पन्न राष्ट्र बन गया।

अमेरिकी उद्योगों का आर्थिक विकास -

→ औपनिवेशिक काल में अमेरिका निवासियों का प्रमुख धंधा कृषि था। ब्रिटिश सरकार ने अमेरिकी उपनिवेशों को अपने उद्योग के लिए कच्चे माल का स्रोत तथा निर्मित माल को खपत के लिए बाजार बनाए रखा। अन्ततः 1781 में जब अमेरिका

विदेशी दासता से मुक्त हो गया तब उसने यूरोप से पूँजी और तकनीकी कौशल के आयात द्वारा विनिर्माण ~~उद्य~~ उद्योग की स्थापना आरंभ की। उद्योगों के लिए खनिज पदार्थ और कृषिजन्य कच्चे पदार्थ यहाँ पहले ही प्रचुर मात्रा में उपलब्ध थे। बोगर्ट के अनुसार " वर्ष 1808 को औद्योगिक वस्तुओं के लिए अमेरिकी ~~की~~ यूरोप पर निर्भरता तथा औद्योगिक आत्म-पर्याप्तता के बीच विभाजक रेखा माना जा सकता है।" 1808 के बाद अमेरिका में औद्योगिक विकास की गति तेज हो गई है। नेपोलियनी युद्धों के कारण अमेरिका में यूरोप से औद्योगिक वस्तुओं का आयात लगभग बंद हो गया था, जिससे घरेलू उद्योगों की स्थापना एवं विकास को बल मिला। 1830 के बाद कोयले द्वारा शक्ति उत्पन्न की जाने लगी तथा रेलों का विकास आरंभ हुआ। इसका औद्योगिक विकास पर अनुकूल प्रभाव पड़ा। सरकार के संरक्षणात्मक प्रशुल्क-नीति तथा औद्योगिक० क्षेत्र में उपस्थित आविष्कारों से औद्योगिक विकास को विशेष प्रोत्साहन मिला है। 1840 में केवल 490 पेटेन्ट रजिस्टर्ड हुए थे। 1860 में उनकी संख्या बढ़कर ~~1860 में केवल 490~~ 4800 हो गई। विनिर्मित

वस्तुओं का मूल्य 1810 में 20 करोड़ डॉलर से बढ़कर 1860 में 189 करोड़ डॉलर हो गया। 1860 तक औद्योगिक उपक्रमों की संख्या बढ़कर 1.5 लाख हो गई। इस तरह 1808 से 1860 तक के समय को अमेरिका में "औद्योगिक क्रांति का पूर्वकाल" माना जा सकता है। ~~1860 तक अमेरिकी अर्थव्यवस्था में~~

अमेरिकी उद्योगों के द्रुत विकास के कारण ⇒ युद्ध के पश्चात अमेरिका में उपस्थित औद्योगिक क्रांति या द्रुत औद्योगिक विकास के प्रमुख कारण निम्नलिखित थे —

(1) प्राकृतिक साधनों की प्रचुरता — अमेरिका में लोहा, कोयला, पेट्रोलियम, तांबा, सोना आदि खनिज पदार्थों का विपुल भण्डार था। उद्योगों के लिए आवश्यक कृषिजन्य कच्चे पदार्थों की भी प्रचुरता थी। प्राकृतिक साधनों की बहुलता ने अमेरिका में औद्योगिक क्रान्ति के लिए आधार का कार्य किया। 1860 और 1929 के बीच अमेरिका में कच्चे लोहे का उत्पादन 516 लाख टन से बढ़कर 6886 लाख टन हो गया। कोयले का उत्पादन 125 लाख टन से बढ़कर 6089 लाख टन, तांबे का उत्पादन 261 लाख पौंड से बढ़कर 20028 लाख पौंड तथा पेट्रोलियम का उत्पादन 500 लाख बैरल से बढ़कर 11055 लाख बैरल हो गया

(2) जनसंख्या में वृद्धि → 1860 में अमेरिका की जनसंख्या 3 करोड़ थी जो 1930 तक बढ़कर 10 करोड़ हो गई। जनसंख्या की वृद्धि ने एक ओर उद्योगों के लिए श्रम आपूर्ति बढ़ाई तथा दूसरी ओर औद्योगिक माल की खपत के लिए घरेलू बाजार का विस्तार किया।

(3) नवीन आविष्कार एवं तकनीकी प्रगति → अमेरिका में द्रुत औद्योगिक विकास का एक महत्वपूर्ण कारण उत्पादन-विधियों में सुधार तथा नवीन आविष्कारों के फलस्वरूप उत्पादन लागत में कमी, मूल्यों में कमी और उपभोग में वृद्धि था। आविष्कारों में प्रगति का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि जहाँ 1870 में रजिस्टर्ड पेटेण्टों की संख्या 17800 थी वही 1930 में इनकी संख्या बढ़कर 423000 हो गई।